PG/IIIS/HIN-302/19

M.A. 3rd Semester Examination, 2019

HINDI

PAPER – HIN-302

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4

(*क*) 'औरत' नाटक का सर्वप्रथम मंचन कब और कहाँ हुआ ?

(*ख*) दो एब्सर्ड नाटककारों के नाम बताइए ।

(*ग*) "वे बेबस भेड़-बकरियों हैं, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देख-भालकर खरीदते हैं ।" —यह अवतरण किस पाठ से अवतरित है और इसके लेखक कौन हैं ?

(*घ*) चक्रपालित किसका पुत्र है और यह किस रचना का पात्र है ?

(ङ) 'टके सेर भाजी टके सेर खाजा' का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(च) 'तांबे के कीड़े' एकांकी का प्रकाशन वर्ष क्या है ? और यह किस प्रकार की एकांकी है ?

(छ) 'विद्या सुंदर' किस कृति का अनुवाद है और इसके लेखक कौन हैं ?

(ज) मोहनराकेश द्वारा रचित किन्हीं दो नाटकों के नाम बताइए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 4×4

(क) "साम्राज्य की सुव्यवस्था के लिए, आर्यराष्ट्र के त्राण के लिए, युवराज उज्जयिनी में रहें, इसी में सबका कल्याण है ।"
यह कथन किसका है और किसे कहा जा रहा है ? पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ख) "अंधाधुंध मच्यौ सब देसा, मानहुँ राजा रहत बिदेसा ।"
उपरोक्त अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(ग) "कई-कई दिनों के लिए अपने को उससे काट लेती हूँ । पर धीरे-धीरे हर चीज फिर उसी ढर्रे पर लौट आती है ।"
—यह कथन किसका और किसके संदर्भ में है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) "एक औरत जिसके हाथ
काम करते करते सीख गए हैं
लाल झंडा कैसे उठाया जाता है ।"
— उपरोक्त अवतरण का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'स्कंदगुप्त' नाटक की भाषा-शैली पर विचार कीजिए ।

(च) "अब हमें जहाँ-तहाँ घूमने की जरूरत नहीं । यहीं रहेंगे और तर माल उड़ाएंगे ।"
—उपर्युक्त अवतरण के भाषिक सौष्ठव पर चर्चा कीजिए ।

(छ) "किसने-किसने अपनी आत्मा में जीवन के आदि मुहूर्त को सिसकते-सुबकते नहीं सुना ? अकेले और बेसरो-सामान हम भूले हुए रास्ते खोजते हैं । हम अपना खोया हुआ भाई तलाश करते हैं, जो बचपन में घर छोड़कर चला गया है । एक पत्थर, एक पत्ती, एक शब्द ... जिसके पीछे एक अनजानी और अनहोनी शुरूआते हैं ।"
—उपर्युक्त अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(ज) "जी हाँ ... हमारी बेहज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप-तोल कर रहे हैं ? और जरा अपने इस साहबजादे से पूछिए कि अभी पिछली फरवरी में ये लड़कियों के हॉस्टल के इर्द गिर्द क्यों घूम रहे थे और वहाँ से क्यों भाग गए थे ?"
—उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर वक्ता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×2

(*क*) नाटक कला के तत्वों के आधार पर 'स्कंदगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

(*ख*) 'रीढ़ की हड्डी' में व्यक्त सामाजिक व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

(*ग*) 'आधे-अधूरे' नाटक में व्यक्त मध्यवर्गीय समाज की विडम्बनाओं पर प्रकाश डालिए ।

(*घ*) 'औरत' नाटक का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।